बिहार सरकार

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार

# अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस

# International Tiger Day

## 29-जुलाई-2025

संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना

SANJAY GANDHI BIOLOGICAL PARK, PATNA

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस

International Tiger Day

29-जुलाई

# बाघ का वैज्ञानिक वर्गीकरण

# Scientific Classification of Tiger

| | | |
|---|---|---|
| **Kingdom** | *Animalia* | जन्तु |
| **Phylum** | *Chordata* | कॉर्डेटा (रीढ़धारी) |
| **Class** | *Mammalia* | स्तनधारी |
| **Order** | *Carnivora* | मांसाहारी |
| **Family** | *Felidae* | बिल्ली परिवार |
| **Subfamily** | *Pantherinae* | पैंथेरा उपकुल |
| **Genus** | *Panthera* | पैंथेरा |
| **Species** | *Panthera tigris* | पैंथेरा टाइग्रिस (बाघ) |

**अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस**

**International Tiger Day**

**29-जुलाई**

# सामान्य जानकारी

| | |
|---|---|
| **वैज्ञानिक नाम:** | *Panthera tigris* |
| **Family:** | फेलिडे (Felidae) |
| **औसत आयु:** | 10 से 15 वर्ष (जंगल में), 20 वर्ष तक (कैप्टिव) |
| **वजन:** | नर – 180 से 300 किग्रा, मादा – 100 से 160 किग्रा |
| **लंबाई:** | 2.5 से 3.5 मीटर (पूंछ सहित) |
| **आवास:** | बाघ मुख्यतः घने जंगलों, घास के मैदानों, दलदली इलाकों और मैंग्रोव वन (जैसे सुंदरबन) में पाए जाते हैं। |
| **भोजन:** | बाघ मांसाहारी होते हैं। वे सांभर, चीतल, नीलगाय, जंगली सूअर, भैंस आदि का शिकार करते हैं। कभी-कभी छोटे जानवर और पक्षी भी खाते हैं। |
| **प्रजनन:** | मादा एक बार में 2 से 4 शावकों को जन्म देती है। शावक 2 साल तक माँ के साथ रहते हैं। गर्भधारण अवधि: लगभग 100-110 दिन |
| **IUCN स्थिति:** | *संकटग्रस्त (Endangered)* |

**अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस**
**International Tiger Day**
**29-जुलाई**

# बाघों की उप-प्रजातियाँ एवं वर्तमान में उनकी संख्या

| उप-प्रजाति का नाम | वैज्ञानिक नाम | प्रमुख क्षेत्र | IUCN स्थिति | अनुमानित जनसंख्या (2023-2024) | विशेषताएँ |
|---|---|---|---|---|---|
| रॉयल बंगाल टाइगर | *Panthera tigris tigris* | भारत, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान | संकटग्रस्त (Endangered) | ~3,500 (भारत: 3,167) | नारंगी रंग, काले मोटे धारियाँ, सबसे ज्यादा संख्या |
| साइबेरियन टाइगर (अमूर टाइगर) | *Panthera tigris altaica* | रूस का सुदूर पूर्व, चीन | संकटग्रस्त (Endangered) | ~500 | सबसे बड़ा बाघ; मोटा फर; ठंडी जलवायु अनुकूल |
| इंडोचाइनीज़ टाइगर | *Panthera tigris corbetti* | थाईलैंड, लाओस, वियतनाम, कंबोडिया | संकटग्रस्त (Endangered) | ~250 | काली पतली धारियाँ; अकेला रहने वाला |
| मलायन टाइगर | *Panthera tigris jacksoni* | मलय प्रायद्वीप (मलेशिया) | संकटग्रस्त (Endangered) | ~150 | आकार में मध्यम; DNA द्वारा अलग पहचाना गया |
| सुमात्रन टाइगर | *Panthera tigris sumatrae* | सुमात्रा द्वीप (इंडोनेशिया) | अत्यंत संकटग्रस्त (Critically Endangered) | ~400 | सबसे छोटा बाघ |
| दक्षिण चीन टाइगर | *Panthera tigris amoyensis* | चीन | वन्य में विलुप्त (Functionally Extinct in wild) | ~0 (केवल चिड़ियाघरों में 100-150) | |

उपरोक्त 6 उप-प्रजातियों के अलावा बाघों की 3 उप-प्रजाति, **कैस्पियन टाइगर** (*Panthera tigris virgata*), **बाली टाइगर** (*Panthera tigris balica*) एवं **जावा टाइगर** (*Panthera tigris sondaica*) विलुप्त हो चुकी है।

**अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस**
**International Tiger Day**
**29-जुलाई**

# बाघों की उप-प्रजातियाँ

**Sumatran Tiger**
Critically Endangered

**Siberian Tiger**
Endangered

**Indochinese Tiger**
Endangered

**Malayan Tiger**
Critically Endangered

**Bengal Tiger**
Endangered

**South China Tiger**
Critically Endangered

**अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस**

**International Tiger Day**

**29-जुलाई**

# भारत में पाए जाने वाले बाघों के अन्य रंग (Colour Morphs in India)

**इन विविधताओं का कारण क्या है?**

- सभी Morphs सामान्य *Bengal Tiger* (Panthera tigris tigris) की नस्ल के ही होते हैं।
- अंतर केवल Genes के विशेष संयोजन (recessive alleles) के कारण आता है।
- ये रंग morphs आमतौर पर जंगल में जीवित नहीं रह पाते क्योंकि उनके रंग उन्हें छुपने में कठिनाई देते हैं।
- इनका उपयोग अक्सर प्रदर्शनी (Exhibition) और जन-जागरूकता के लिए किया जाता है।
- भारत में अधिकतर सफेद और सुनहरे बाघ रीवा और नंदन कानन की captive ब्रीडिंग से निकले हैं।

**1. सफेद बाघ (White Tiger)**

- **वैज्ञानिक कारण:** *Leucism* (आंशिक पिग्मेंट की कमी, न कि अल्बिनिज्म)
- **पहचान:** सफेद शरीर पर काले या भूरे धारियाँ
- **आँखें:** आमतौर पर नीली
- सबसे प्रसिद्ध सफेद बाघ *मोहन* 1951 में रीवा (मध्यप्रदेश) में पकड़ा गया था।
- **स्थिति:** मुख्यतः चिड़ियाघरों में; प्राकृतिक जंगलों में अब नहीं देखे जाते।
- **भारत में स्थान:** संजय गांधी जैविक उद्यान (पटना), नंदन कानन (उड़ीसा), दिल्ली, हैदराबाद, मैसूर आदि के चिड़ियाघर

**International Tiger Day**
**29-जुलाई**

# भारत में पाए जाने वाले प्रमुख बाघों के रंग (Color Morphs in India)

**2. काली धारियों वाला बाघ (Pseudomelanistic Tiger)**

- पहचान: सामान्य से ज़्यादा गहरी और मोटी धारियाँ, जो शरीर को लगभग काला बना देती हैं
- कारण: रेसेसिव म्यूटेशन जो "Melanism" जैसा दिखता है, लेकिन पूर्ण काले नहीं होते
- स्थिति: कैप्टिव और कुछ दुर्लभ मामलों में जंगली भी
- भारत में पहला रिकॉर्ड: नंदन कानन, जहाँ पहली बार 2014 में यह रूप दिखा

**3. सुनहरा तबी (Golden Tabby Tiger)**

- **अन्य नाम**: Golden Tiger, Strawberry Tiger
- **वैज्ञानिक कारण**: एक दुर्लभ रेसेसिव जीन Wideband का प्रभाव
- **पहचान**: हल्के नारंगी रंग का शरीर और पीली-भूरी धारियाँ
- **स्थिति**: अत्यंत दुर्लभ; केवल कैप्टिव ब्रीडिंग में मौजूद
- **भारत में**: बहुत ही दुर्लभ; काजीरंगा में देखे गये हैं।

**अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस**
**International Tiger Day**
**29-जुलाई**

# बाघों की वैश्विक जनसंख्या में गिरावट

| वर्ष | अनुमानित वैश्विक जनसंख्या |
|---|---|
| 1900 | 1,00,000+ |
| 1970 | ~40,000 |
| 1990 | ~8,000 |
| 2010 | ~3,200 |
| 2022 | ~5,574 (WWF आंकड़ा) |

| उप-प्रजाति | विलुप्ति का वर्ष | मुख्य क्षेत्र |
|---|---|---|
| **कैस्पियन टाइगर** (*Panthera tigris virgata*) | 1970 के दशक | मध्य एशिया |
| **बाली टाइगर** (*Panthera tigris balica*) | 1937 | बाली (इंडोनेशिया) |
| **जावा टाइगर** (*Panthera tigris sondaica*) | 1970s-1980s | जावा (इंडोनेशिया) |

**बाघों की घटती जनसंख्या के मुख्य कारण**

- **आवासीय क्षति (Habitat Loss):-** वनों की कटाई, खेती विस्तार, मानव के द्वारा जंगलों में अतिक्रमण
- **वन खंडित होना (Habitat Fragmentation):-** टुकड़ों में बंटे जंगलों से आनुवंशिक प्रवाह में बाधा
- **अवैध शिकार (Poaching):-** खाल, हड्डी, अंगों एवं पारंपरिक औषधियों में उपयोग के लिए शिकार एवं अवैध व्यापार
- **मानव-बाघ संघर्ष (Human-Wildlife Conflict):-** राजा-महाराजाओं के द्वारा खेल के रूप में शिकार, मवेशी मारने या मानव पर हमले के कारण प्रतिशोध
- **शिकार की कमी (Prey Depletion):-** शाकाहारी वन्यजीवों की कमी से भोजन की कमी

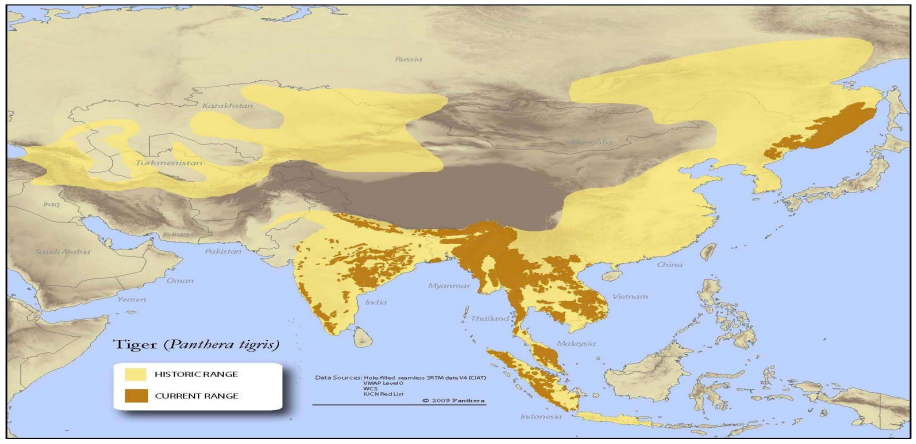


**International Tiger Day**
**29 जुलाई**

# बाघ संरक्षण के लिए पहल (Tiger Conservation Efforts)

***भारत में बाघ संरक्षण के प्रमुख प्रयास:***

- प्रोजेक्ट टाइगर (1973): भारत सरकार की प्रमुख योजना
- टाइगर रिज़र्व (Tiger Reserves): देशभर में 58
- भारत में बाघ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत पूरी तरह से संरक्षित।
- बाघ दिवस (Tiger Day): हर वर्ष 29 जुलाई को मनाया जाता है।

***वैश्विक स्तर पर:***

- Tx2 Initiative (2010): बाघों की संख्या 2022 तक दोगुनी करने का संकल्प।
- Global Tiger Forum (GTF): सभी 13 टाइगर रेंज देशों की एक अंतरराष्ट्रीय संस्था।
- WWF, IUCN, Panthera जैसी संस्थाएं सक्रिय रूप से काम कर रही हैं।

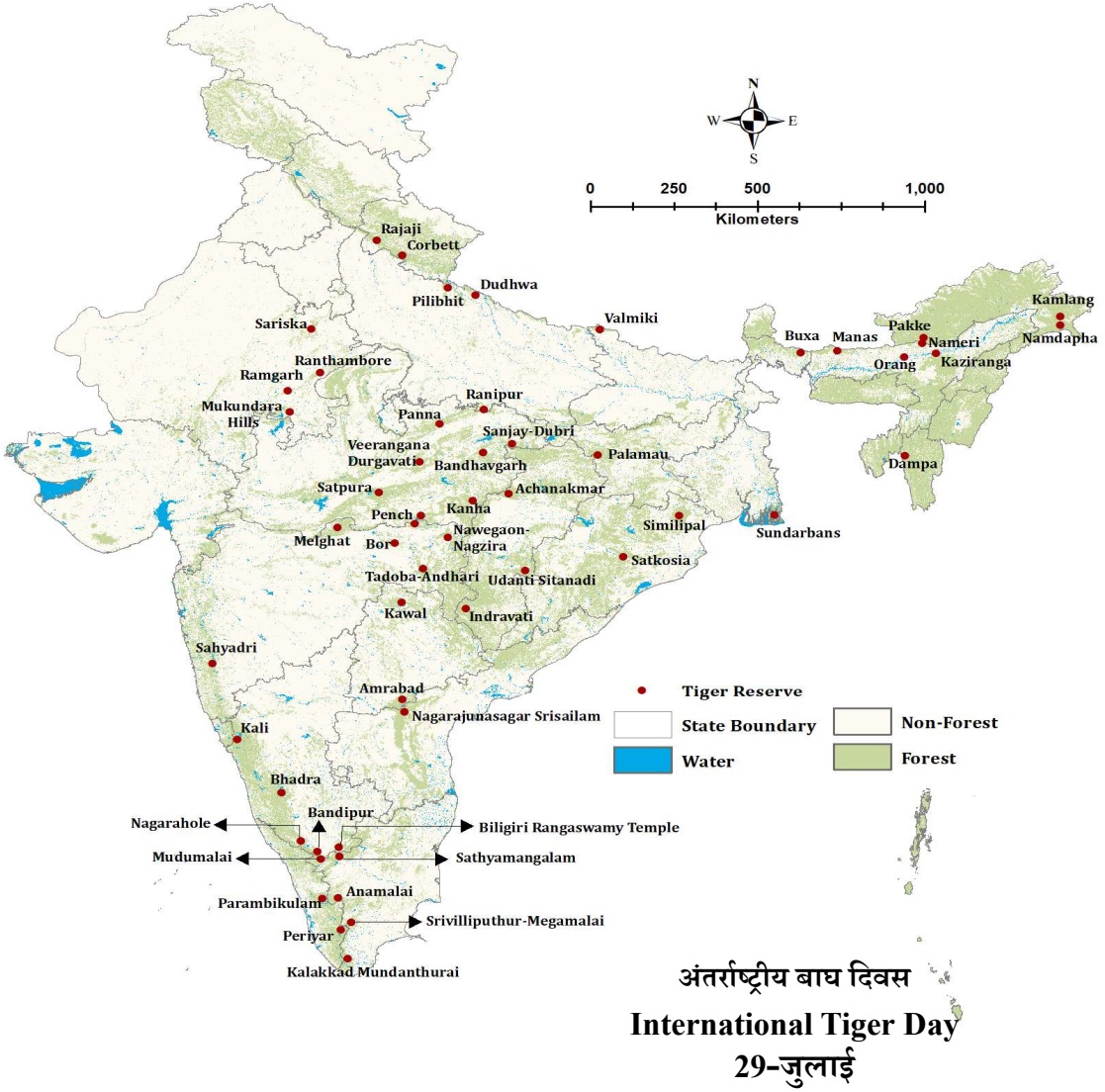

# ब्याघ्र परियोजना (Project Tiger)- 1973

| | |
|---|---|
| **स्थापना** | 1 अप्रैल 1973 |
| **प्रारंभिक बाघ रिज़र्व** | 9 (जैसे: जिम कॉर्बेट, कान्हा, सुंदरबन, सिमलीपाल, बांधवगढ़ आदि) |
| **वर्तमान बाघ रिज़र्व** | 58 टाइगर रिज़र्व |
| **शासकीय निकाय** | पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार |
| **उद्देश्य** | • बाघों की घटती जनसंख्या को बचाना<br>• प्राकृतिक आवासों (Forests) का संरक्षण<br>• बाघों के पारिस्थितिक तंत्र (Ecosystem) की रक्षा<br>• स्थानीय समुदायों की सहभागिता के साथ संरक्षण<br>• मानव-बाघ संघर्ष को कम करना |
| **Project Tiger के अंतर्गत कार्य** | • बाघों की निगरानी (Monitoring) – कैमरा ट्रैप्स, GPS कॉलर<br>• गश्त व्यवस्था (Anti-poaching Patrols)<br>• बाघ गलियारों (Tiger Corridors) का संरक्षण<br>• टाईगर रिजर्व में बसे गांवों का पुनर्वास (Relocation of villages from areas of Tiger Reserves)<br>• हर चार साल पर बाघों की गणना (Tiger Census every 4 years – All India Tiger Estimation) |

# राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA)

| | |
|---|---|
| **स्थापना** | 2005 (Wildlife Protection Act, 1972 में संशोधन द्वारा) |
| **मुख्यालय** | नई दिल्ली |
| **प्रशासनिक नियंत्रण** | भारत सरकार का पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) |
| **NTCA की भूमिका** | • बाघ संरक्षण की नीति निर्धारण और क्रियान्वयन<br>• Project Tiger का संचालन और निगरानी<br>• बाघों की मौत, शिकार या संघर्ष पर त्वरित रिपोर्टिंग और कार्रवाई<br>• टाइगर रिज़र्व्स की मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार करना<br>• बाघों और उनके निवास स्थान का वैज्ञानिक तरीके से मूल्यांकन |
| NTCA द्वारा चलाए गए प्रमुख कार्यक्रम | • **All India Tiger Estimation (AITE)** – हर 4 साल पर अखिल भारतीय बाघ गणना<br>• **M-STrIPES**: Monitoring System for Tigers – गश्त और निगरानी प्रणाली<br>• **Tiger Death Audit**: हर बाघ की मृत्यु की पोस्टमॉर्टम और विश्लेषण<br>• राज्य सरकारों के सहयोग से वन्यजीव अपराध नियंत्रण |

**यह भारत की सफलतम वन्यजीव संरक्षण पहल मानी जाती है।**

**अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस**
**International Tiger Day**
**29-जुलाई**

# अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस

- **तिथि:** 29 जुलाई
- **उद्देश्य:** बाघों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, इनके घटते प्राकृतिक आवासों को बचाना और वैश्विक प्रयासों को एकजुट करना।

**इतिहास:**

- अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस की शुरुआत वर्ष 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित Global Tiger Summit में की गई।
- उस समय 13 बाघ रेंज देशों (जैसे भारत, नेपाल, रूस आदि) ने यह लक्ष्य रखा कि 2022 तक बाघों की संख्या दोगुनी की जाएगी – जिसे Tx2 Goal कहा गया।

**सम्मेलन विवरण (Summit Details):**

- **स्थान:** सेंट पीटर्सबर्ग, रूस
- **तिथि:** 21–24 नवम्बर 2010
- **आयोजक:** रूस सरकार और **Global Tiger Initiative (GTI)**
- **13 टाइगर रेंज देश** शामिल हुए: भारत, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, थाईलैंड, म्यांमार, चीन, रूस, लाओस, मलेशिया, इंडोनेशिया, वियतनाम, कंबोडिया

**सम्मेलन के मुख्य निष्कर्ष / उपलब्धियाँ (Key Outcomes):**

- **Tx2 Goal (Tigers Times Two):**
  वर्ष 2022 तक बाघों की संख्या दोगुनी करने का वैश्विक संकल्प (Baseline year: 2010)
  *"Tx2"* conservation goal दुनिया का पहला प्रजाति-विशिष्ट लक्ष्य बना।

- **वित्तीय और तकनीकी सहयोग:**
  संरक्षण के लिए 350 मिलियन डॉलर के वैश्विक निवेश का वादा।
  बाघ संरक्षण के लिए राष्ट्रीय टाइगर रिकवरी प्रोग्राम्स (NTRP) की शुरुआत।

- **नीति और निगरानी में सुधार:**
  टाइगर मॉनिटरिंग के लिए कैमरा ट्रैप, DNA आधारित पहचान, SMART पेट्रोलिंग जैसी तकनीकों का प्रयोग।
  टाइगर रिज़र्वों के बीच सीमावर्ती सहयोग।

**अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस**
**International Tiger Day**
**29-जुलाई**

# भारत में बाघ संरक्षण की सफलता

| वर्ष | भारत में बाघों की संख्या |
|---|---|
| 2006 | 1,411 |
| 2010 | 1,706 |
| 2014 | 2,226 |
| 2018 | 2,967 |
| **2022** | **3,167** |

- भारत में दुनिया की लगभग 75% बाघ आबादी है।
- 2022 की ऑल इंडिया टाइगर एस्टिमेशन के अनुसार:
  भारत में बाघों की कुल संख्या: 3167
  बिहार में बाघों की कुल संख्या :
    54 बाघ (मुख्य रूप से वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व में)
    6 बाघ पटना जू में
    4 बाघ राजगीर जू सफारी, नालंदा में
    कैमूर ब्याघ्र आरक्ष की स्थापना प्रक्रियाधीन

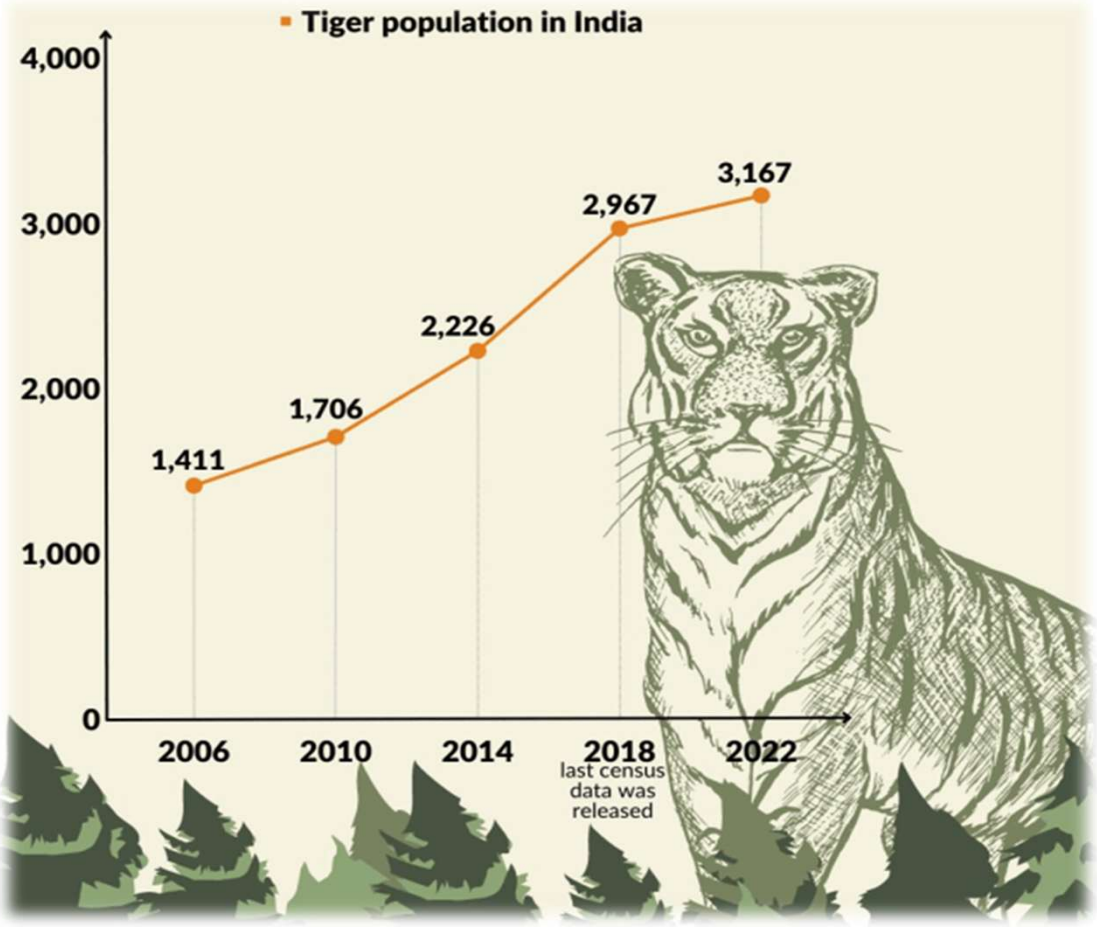


अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस
**International Tiger Day**
**29-जुलाई**

# बिहार में बाघ संरक्षण की सफलता

| वर्ष | बाघों की संख्या | टिप्पणी |
|---|---|---|
| **2006** | **10** | प्रारंभिक आँकड़े; सीमित निगरानी |
| **2010** | **8–10** | NTCA रिपोर्ट; कैमरा ट्रैप तकनीक का आरंभ |
| **2014** | **28** | AITE 2014; संरक्षण प्रयासों में सुधार |
| **2018** | **31** | AITE 2018; विस्तारित कैमरा ट्रैप सर्वे |
| **2022** | **54** | AITE 2022; बिहार में अब तक की सर्वाधिक संख्या |

**वाल्मीकि ब्याघ्र आरक्ष, पश्चिम चंपारण**

| | |
|---|---|
| स्थान | पश्चिम चंपारण, बिहार |
| स्थापना | 1994 |
| क्षेत्रफल | 898.937 वर्ग किमी |
| बाघों के अलावा प्रमुख वन्यजीव | तेंदुआ, भालू, गौर, हिरण, हाथी, अजगर |
| पारिस्थितिकी तंत्र | तराई क्षेत्र, हिमालय की तलहटी, घना जंगल और घास के मैदान |

**संरक्षण की प्रमुख पहलें:**

- ई-आई बाघ, एम-स्ट्रीप्स, और स्मार्ट पेट्रोलिंग की शुरुआत।
- बफर जोन में सामुदायिक विकास और मानव-बाघ संघर्ष को कम करना।
- अंतरराष्ट्रीय सीमा (नेपाल) से सटे इलाकों में निगरानी और संरक्षण।
- वन विभाग द्वारा नियमित कैमरा ट्रैप, गश्ती, और सामुदायिक **भागीदारी** से संरक्षण को मजबूती मिली है।

**अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस**
**International Tiger Day**
**29-जुलाई**

# विभिन्न मिथकों में ब्याघ्रों का इतिहास

**1. देवी दुर्गा का वाहन:**

- हिंदू धर्म में, बाघ को शक्ति की देवी माँ दुर्गा का वाहन माना जाता है। यह बाघ निडरता, शक्ति और साहस का प्रतीक है।
- माँ दुर्गा का बाघ पर आरूढ़ होकर राक्षसों से युद्ध करना, धर्म की अधर्म पर विजय दर्शाता है।

**2. शक्ति और सामर्थ्य का प्रतीक :**

- भारत और चीन जैसी संस्कृतियों में बाघ को जंगल का राजा और वीरता का प्रतीक माना गया है।
- बाघ अक्सर राजाओं, योद्धाओं और सेनाओं के प्रतीक चिन्हों में शामिल होता था।

**3. आदिवासी और लोक मान्यताओं में बाघ:**

- कई आदिवासी समुदायों जैसे गोंड, संताल, भील, ओरांव आदि में बाघ को जंगल का रक्षक और देवदूत माना जाता है।
- कुछ क्षेत्रों में "वाघदेव" या "बाघेश्वर" के रूप में बाघ की पूजा होती है।
- बाघ के पंजों या प्रतीक को बुरी शक्तियों से रक्षा के लिए घरों के बाहर बनाया जाता है।

**4. बौद्ध और चीनी परंपरा में बाघ:**

- बौद्ध धर्म में बाघ को तीन प्रमुख जानवरों (Tiger, Monkey, Deer) में एक माना गया है जो अलग-अलग मानवीय प्रवृत्तियों को दर्शाते हैं।
- चीनी मिथकों में, बाघ को उत्तर दिशा और सर्दी का रक्षक माना जाता है — White Tiger of the West (Bai Hu)।

**5. बाघ की उपस्थिति पौराणिक कथाओं और साहित्य में:**

- संस्कृत ग्रंथों, लोककथाओं, पंचतंत्र और जातक कथाओं में बाघ बार-बार आता है – कभी रक्षक के रूप में, कभी लालच या अहंकार के प्रतीक के रूप में।
- ताड़का वध, पंचमुखी बाघ, शिव के गणों में भी कहीं-कहीं बाघ का प्रतीकात्मक उपयोग मिलता है।

**6. बाघ और धर्मनिरपेक्ष प्रतीक:**

- स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बाघ को "भारत माता" की शक्ति के प्रतीक के रूप में भी चित्रित किया गया।
- राष्ट्रीय प्रतीक, डाक टिकटों, सैन्य प्रतीकों, और राष्ट्रीय पशु (National Animal) के रूप में इसकी भूमिका पौराणिक संदर्भों से जुड़ी हुई है।

**अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस**

**International Tiger Day**

**29-जुलाई**

# बाघ से संबंधित रोचक तथ्य

- **बाघ की धारियाँ (Stripes) बिल्कुल अनोखी होती हैं!**
  जैसे हमारी उंगलियों के निशान अलग होते हैं, वैसे ही हर बाघ की धारियाँ भी अलग होती हैं।
- **बाघ की दहाड़ (Roar) 3 किलोमीटर दूर तक सुनाई देती है!**
  जब बाघ दहाड़ता है, तो जंगल थर्रा उठता है!
- **बाघ दिन में नहीं, रात में शिकार करता है!**
  क्योंकि उसकी रात में देखने की शक्ति इंसानों से 6 गुना ज़्यादा होती है।
- **बाघ बहुत अच्छा तैराक होता है!**
  Unlike बिल्ली, बाघ को पानी से डर नहीं लगता — वह नदी में मछली भी पकड़ सकता है।
- **बाघ अकेला रहना पसंद करता है।**
  वह "सोशल" जानवर नहीं है — अकेले शिकार करता है और अकेले ही घूमता है।
- इनके पग-मार्क से इनके लिंग एवं आयु की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
  मादा बाघिन के पग-मार्क आयताकार एवं नर बाघ का पग-मार्क वर्गाकार होता है।
  मादा बाघिन की उंगलियाँ अंडाकार एवं नर बाघ का उंगलियाँ गोलाकार होती है।

**अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस**
**International Tiger Day**
**29-जुलाई**

# बाघ का क्षेत्र (Tiger Territory)

- बाघ सामाजिक नहीं होते – वे अकेले अपने क्षेत्र (**Territory**) में रहते हैं।
- **बाघ का क्षेत्र (Tiger Territory) क्या होता है?**
  - बाघ का क्षेत्र उस भूभाग को कहा जाता है, जिस पर वह नियमित रूप से घूमता, शिकार करता और रहता है।
  - यह उसका व्यक्तिगत क्षेत्र होता है, जिसे वह अन्य बाघों (विशेषकर नर बाघों) से बचाकर रखता है और चिन्हित करता है।
- **चिन्हांकन:**
  - बाघ पेशाब, पंजों के निशान, पेड़ पर खरोंच आदि से अपने क्षेत्र का चिन्हांकन करते है।
- **बाघिन और नर के क्षेत्र में अंतर:**
  - एक नर बाघ का क्षेत्र, 2 से 3 बाघिनों के क्षेत्र को आच्छादित कर सकता है।
  - बाघिनें एक-दूसरे के क्षेत्र में आंशिक रूप से प्रवेश कर सकती हैं, लेकिन नर बाघ बहुत सख्त सीमाएं रखते हैं। एक नर बाघ अपने क्षेत्र में दूसरे नर बाघों को घुसने नहीं देता।
- **बाघ का क्षेत्र (Tiger Territory)**
  - वन की गुणवत्ता के अनुसार, शिकार की उपलब्धता और मानव अतिक्रमण पर निर्भर करता है।
  - उष्णकटिबंधीय वनों में क्षेत्र छोटे होते हैं, जबकि सूखे वनों या घास के मैदानों में क्षेत्रफल बड़ा हो सकता है।

**अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस**

**International Tiger Day**

**29-जुलाई**

# पटना जू के बाघ

**पटना जू में वर्तमान में कुल 6 बाघ है, जिसमें 2 सफेद बाघ एवं 4 सामान्य बाघ है।**

| क्र० सं० | बाघ का नाम | नर/ मादा | जन्म-तिथि | जन्म स्थान | पिता बाघ का नाम | माता बाघिन का नाम | पटना जू में कब से | वर्तमान आयु | विशेषता |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | नकुल | नर | वाईल्ड बर्थ | वेंडालूरू जू, चेन्नई | - | - | 30.08.2019 | - | |
| 2 | संगीता | मादा | 12.09.2014 | वेंडालूरू जू, चेन्नई | - | - | 30.08.2019 | 10 वर्ष 10 माह | |
| 3 | भवानी | मादा | 04.03.2014 | पटना जू | भीमा | स्वर्णा | 04.03.2014 | 11 वर्ष 4 माह | सफेद बाघिन |
| 4 | रानी | मादा | 25.05.2022 | पटना जू | नकुल | संगीता | 25.05.2022 | 3 वर्ष 2 माह | |
| 5 | केसरी | नर | 25.05.2022 | पटना जू | नकुल | संगीता | 25.05.2022 | 3 वर्ष 2 माह | सफेद बाघ |
| 6 | बिक्रम | नर | 25.05.2022 | पटना जू | नकुल | संगीता | 25.05.2022 | 3 वर्ष 2 माह | |

**अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस**
**International Tiger Day**
**29-जुलाई**